भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **1074**
(जिसका उत्तर सोमवार, **29** जुलाई, **2024/7** श्रावण, **1946** (शक) को दिया जाना है)

मुद्रास्फीति और देश की वित्तीय स्थिति

1074. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या यह सच है कि मुद्रास्फीति का किसी देश की वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में मुद्रास्फीति की दर कितनी रही है; और
(ग) देश में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): किसी भी देश में मुद्रास्फीति का लगातार उच्च स्तर निधियों की घरेलू लागत, ऋण वृद्धि, निर्यातों की मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता और जनसंख्या की क्रय शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालकर इसकी वित्तीय स्थिति को प्रभावित कर सकता है।

(ख): पिछले पांच वर्षों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त के आधार पर भारत में खुदरा मुद्रास्फीति दर नीचे दी गई है:

वित्त वर्ष	मुद्रास्फीति दर (%)
2019-20	4.8
2020-21	6.2
2021-22	5.5
2022-23	6.7
2023-24	5.4

स्रोत: एमओएसपीआई

(ग): सरकार द्वारा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों में, अन्य बातों के साथ-साथ- आवश्यक खाद्य वस्तुओं के बफर स्टॉक को मजबूत करना और खुले बाजारों में आवधिक रूप से रिलीज करना, विनिर्दिष्ट बिक्री केन्द्रों में चावल, आटा और दलहनों जैसी सब्सिडाइज्ड वस्तुओं की खुदरा बिक्री, शुल्कों को युक्तिसंगत बनाकर आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को आसान बनाना, स्टॉक सीमाओं को लागू करने/संशोधन और निगरानी के माध्यम से जमाखोरी को रोकना और पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के मूल्य में कमी करना शामिल हैं।

***